

तेरे सर्व. (तद्.) तू का बहुवचन संबंध कारकीय रूप।

तेलंग पु. (देश.) दे. तैलंग।

तेल पु. (तत्.) चिकना तरल पदार्थ जो बीजों या वनस्पतियों से निकलता है जैसे- सरसों का तेल, मगर का तेल, तारपीन का तेल मुहा. तेल में हाथ डालना- अपनी सत्यता प्रमाणित करना, शपथ खाना; तेल उठाना या चढ़ाना- तेल की रस्म पूरी करना।

तेलगू स्त्री. (देश.) 1. आंध्र प्रदेश की भाषा 2. तेलंगाना प्रदेश की भाषा।

तेलहन पु. (देश.) वह बीज जिससे तेल निकलता है जैसे- सरसो, तिल आदि।

तेलहा वि. (देश.) 1. तेल वाला, तेल संबंधी 2. जिसमें तेल हो, तेल युक्त, तेल से बना हुआ।

तेला पु. (देश.) तीन दिन का उपवास।

तेलिन स्त्री. (देश.) 1. तेली की स्त्री, तेली जाति की स्त्री 2. एक बरसाती कीड़ा।

तेलिया वि. (देश.) 1. तेल के रंग वाला 2. तेल की तरह चिकना और चमकीला पुं. चिकना और चमकीला रंग 2. एक प्रकार का बबूल 3. एक प्रकार की छोटी मछली।

तेली पु. (देश.) तेल पेरने या बेचने का काम करने वाला मुहा. तेली का बैल- हर समय काम में लगा रहने वाला व्यक्ति।

तेवन पु. (तत्.) क्रीड़ा और आमोद प्रमोद का स्थान, विहार, उपवन।

तेवर पु. (देश.) क्रोध भरी दृष्टि मुहा. तेवर आना- चक्कर आना; तेवर चढ़ाना- गुस्सा होना; तेवर बदलना- नाराज हो जाना, मृत्यु का संकेत होना; तेवर बुरे दिखाई देना- प्रेम भाव में फर्क पड़ना; तेवर सहना- क्रोध सहना स्त्री. एक ताल का नाम जिसमें सात दीर्घ अथवा 14 लघु मात्राएँ होती हैं।

तेवरा पु. (देश.) एक ताल का नाम।

तेवरी स्त्री. (देश.) दे. त्योंरी।

तेवहार पु. (देश.) दे. त्योंहार।

तेवान पु. (देश.) सोच-विचार।

तेवाना अ.क्रि. (देश.) चिंता करना, सोचना।

तेह पु. (तद्.) 1. गुस्सा, क्रोध 2. घमंड, अहंकार 3. तेजी, प्रचंडता।

तेहरा वि. (देश.) 1. तीन परत वाला 2. तीसरी बार किया हुआ 3. तिगुना-तेहरी।

तेहराना स.क्रि. (देश.) तीन परत या लपेट का करना 2. तीसरी बार करना।

तेहा पु. (देश.) 1. गुस्सा, क्रोध 2. अहंकार, घमंड, शेखी।

तेहि सर्व. (देश.) उसे, उसको।

तेही पु. (देश.) 1. गुस्सा करने वाला, क्रोधी 2. घमंडी, अभिमानी।

तैं क्रि.वि. (देश.) दे. तैं।

तैंड़ा सर्व. (तद्.) तेरा।

तैंतालीस वि. (तद्.) दे. तैंतालीस।

तैंतिडीक वि. (तत्.) इमली की कांजी से बनाया हुआ।

तैंतीस वि. (तद्.) दे. तैंतीस।

तैं क्रि.वि. (तद्.) उतना, उस कदर पुं. (अर.) 1. समाप्ति, अंत 2. निपटान, फैसला 3. चुकता, बेबाकी प्रयो. उसने अपना कर्ज तैं कर दिया।

तैक्त पु. (तद्.) तीतापन, चरपराहट।

तैक्षण्य पु. (तत्.) 1. तीक्ष्णता, तीक्ष्णता का भाव 2. पैनापन 3. निर्दयता।

तैखाना पु. (फ़ा.) दे. तहखाना।

तैजस पु. (तत्.) 1. कोई चमकीला पदार्थ जैसे धातु, मणि 2. घी 3. पराक्रम 4. एक शारीरिक शक्ति जो आहार को रस और रस को धातु में बदलती है।